# पञ्चमी भयेन

प्रस्तुत सूत्र तत्पुरुष समास के अन्तर्गत विधिसूत्र है। इस सूत्र के अर्थ की स्पष्टीकरण के लिए प्राक्कडारात् समासः, सह सुपा, और तत्पुरुषः की अनुवृत्ति करते हैं। 'प्रत्ययग्रहणे तदन्तग्रहणम्' इस परिभाषा से सूत्रस्थ 'पञ्चमी' से 'पञ्चम्यन्त' का बोध होता है। अतः सूत्र का अर्थ होगा — पञ्चम्यन्त सुबन्त का 'भय' शब्द के साथ तत्पुरुष समास होगा।

उदा० — चौराद् भयम् इस विग्रह में 'भयम्' के साथ प्रकृत सूत्र से समास होने पर 'चौरभयम्' रूप बनता है।